>

Title: Need to establish Doordarshan and Akashvani Kendras in Meerut Parliamentary Constituency of Uttar Pradesh.

श्री राजेन्द्र अग्रवाल (मेरठ): महोदय, उत्तर प्रदेश राज्य के अंतर्गत आने वाले मेरठ का आधुनिक भारत के गौरवशाली इतिहास में अहम स्थान है। मेरठ महानगर पश्चिमी उत्तर प्रदेश का हृदय-स्थल है। पौराणिक आख्यानों के अनुसार लंका पति रावण की महारानी मंदोदरी का यह मायका है। महाभारत कालीन हस्तिनापुर तथा इन्द्रप्रस्थ, जो वर्तमान दिल्ली है, के मध्य में स्थित यह महानगर परंपरा से गंगा-यमुना दोआबे का सांस्कृतिक, सामाजिक, धार्मिक एवं आर्थिक केन्द्र रहा है। वर्ष 1857 में प्रथम स्वातंत्र्य समर को प्रारंभ करने वाली क्रान्तिभूमि का गौरव मेरठ को प्राप्त है। हिन्दी की खड़ी बोली का यह जन्म-स्थान माना जाता है। साहित्य, लोक कला, संगीत एवं रंगमंच के क्षेत्र में भी मेरठ का विशेष स्थान रहा है। परन्तु मुझे अत्यंत खेद के साथ कहना पड़ रहा है कि ऐसे महत्वपूर्ण स्थान पर आकाशवाणी व दूरदर्शन केन्द्र नहीं हैं। लंबे समय से मेरठ तथा निकटवर्ती जनपदों के नागरिक मेरठ में ऐसे केन्द्र की मांग करते रहे हैं।

अतः मेरा आपके माध्यम से सरकार से आग्रह है कि जनभावनाओं का सम्मान करते हुए मेरठ में बरेली व रामपुर की भांति दूरदर्शन व आकाशवाणी केन्द्र की स्थापना हेतु अविलंब कार्रवाई करे।

MR. CHAIRMAN :

Shri Arjun Ram Meghwal may be allowed to associate with the views expressed by Shri Rajendra Agrawal.